Series : S7PQR

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड 29/7/2

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे। [ ]

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **13** है।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं – **खण्ड क, ख** और **ग**।*

(iii) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(iv) *दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

(v) *यथासंभव सभी खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

युगपुरुष वही सारे समाज का विहित धर्मगुरु होता है
सबके मन का जो अंधकार अपने प्रकाश से धोता है
थे जहाँ सहस्रों वर्ष पूर्व, लगता है वहीं खड़े हैं हम
है वृथा गर्व, उन गुफावासियों से कुछ बहुत बड़े हैं हम
अनगढ़ पत्थर से लड़ो, लड़ो किटकिटा नखों से, दाँतों से;
या लड़ो ऋक्ष के रोमगुच्छ-पूरित वज्रीकृत हाथों से;
या चढ़ विमान पर नर्म मुट्ठियों से गोलों की वृष्टि करो
आ जाय लक्ष्य में जो कोई, निष्ठुर हो सबके प्राण हरो
ये तो साधन के भेद, किन्तु, भावों में तत्त्व नया क्या है ?
क्या खुली प्रेम-आँख अधिक ? भीतर कुछ बढ़ी दया क्या है ?
झर गई पूँछ, रोमान्त झरे, पशुता का झरना बाकी है;
बाहर-बाहर तन सँवर चुका, मन अभी सँवरना बाकी है।

(i) कवि को ऐसा क्यों लगता है कि हम सहस्रों वर्ष पूर्व जहाँ थे, आज भी वहीं हैं ? *1*

(A) आज भी मनुष्य अपने नाखूनों का बढ़ना नहीं रोक पाया है।

(B) मन के भीतर की पशुता आज भी मानव में शेष है।

(C) धरती के भीतर का रहस्य जानना बाकी है।

(D) अंतरिक्ष के रहस्य अभी भी अनसुलझे हैं।

(ii) 'ये तो साधन के भेद' – पंक्ति में प्रयुक्त 'साधन' से आशय है : *1*

(A) जीवन यापन के साधन

(B) जय प्राप्ति के अस्त्र-शस्त्र

(C) जीविकोपार्जन के माध्यम

(D) शत्रु को भयभीत करने के तरीके

(iii) 'बाहर-बाहर तन सँवर चुका' – से क्या अभिप्राय है ? *1*

(A) सौंदर्य प्रसाधनों से शारीरिक सुंदरता का बढ़ जाना

(B) शरीर से अनावश्यक अंगों का झड़ जाना

(C) मनुष्य की शारीरिक बनावट का सुंदर हो जाना

(D) पशु और मनुष्य में अंतर का दिखाई देना

(iv) 'भावों में तत्त्व नया क्या है ?' – पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। *1*

(v) 'मन अभी सँवरना बाकी है' – कवि ने ऐसा क्यों कहा है ? *2*

(vi) वज्रीकृत हाथों से लड़ना या नर्म मुट्ठियों से लड़ना कवि की दृष्टि में एकसमान क्यों है ? *2*

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

भारतीय दर्शन तथा योग में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और गगन को पंचतत्त्व, यानी पंच महाभूत कहा जाता है। इस पृथ्वी के समस्त सजीव-निर्जीव इन्हीं पंचभूतों से निर्मित हैं। मगर समय के साथ ये भी प्रभावित हुए हैं, प्रदूषण का इन पर गंभीर असर पड़ा है। आज हमारी पृथ्वी, मृदा यानी मिट्टी और भूमि प्रदूषण से जूझ रही है। औद्योगिक अपशिष्ट, कृषि रसायनों के अत्यधिक उपयोग और प्लास्टिक कचरे के कारण मिट्टी की गुणवत्ता घटती है। नतीजतन फ़सलों की पैदावार कम होती है और भूमि दूषित होती है। यह प्रदूषण मिट्टी में वास करने वाले सूक्ष्म जीवों को नुकसान पहुँचाता है।

प्रदूषण के कारण जल स्रोत भी दूषित हो रहे हैं, बीमारियाँ बढ़ रही हैं और जलीय जीवों को नुकसान पहुँच रहा है। समुद्र में पहुँचने वाले अपशिष्टों और जलयानों से होने वाले तेल रिसाव से समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र (समुद्री जीव-जंतु और वनस्पति) पर बुरा असर पड़ रहा है। जहाँ तक अग्नि महाभूत का सवाल है, तो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है और जलवायु परिवर्तन को आमंत्रण मिल रहा है। कहीं ज़्यादा गर्मी, कहीं हाड़ कँपकँपाती ठंड, कहीं सूखा, कहीं बाढ़, जलवायु परिवर्तन के कारण ही हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएँ सर्दियों में भी बढ़ रही हैं।

हमने अपने आसपास की आबोहवा को इतना दूषित कर दिया है कि उसका असर अब हमारी उम्र पर पड़ने लगा है। इससे पर्यावरण और स्वास्थ्य, दोनों को नुकसान पहुँच रहा है। पाँचवें और आखिरी महाभूत आकाश से तो, शहरीकरण और अधिक या अवांछित रोशनी के कारण प्राकृतिक दृश्य बाधित होने लगे हैं। न केवल आकाश दर्शन, बल्कि पक्षी और अन्य जीव-जंतु भी इस प्रकाश प्रदूषण से प्रभावित हो रहे हैं। जैव-विविधता को भी नुकसान पहुँच रहा है। आकाश का विशिष्ट गुण है – शब्द। ध्वनि प्रदूषण भी आकाश महाभूत को तार-तार कर रहा है।

प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अक्षय ऊर्जा का उपयोग, कचरे का सही प्रबंधन, पौधारोपण, आदि द्वारा समाज में जागरूकता फैलानी होगी। इस हेतु सामूहिक प्रयास करने होंगे।

(i) 'मिट्टी की गुणवत्ता' से अभिप्राय है : *1*

(A) पोषकता (B) मात्रा

(C) प्रकार (D) रंग-रूप

(ii) अग्नि महाभूत के प्रदूषित होने का कारण है : *1*

(A) पृथ्वी का बढ़ता तापमान

(B) समुद्रों का बढ़ता जलस्तर

(C) ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन

(D) मौसमी घटनाओं की संख्या-वृद्धि

(iii) गद्यांश के आधार पर आकाश के प्राकृतिक दृश्य बाधित होने लगे हैं : *1*

(A) ऊँची-ऊँची इमारतों के कारण

(B) वन-प्रदेश की घटती संपदा के कारण

(C) शहरीकरण और प्रकाश प्रदूषण के कारण

(D) सूर्य की तेज रोशनी के कारण

(iv) जैव-विविधता से क्या अभिप्राय है ? *1*

(v) मिट्टी के प्रदूषित होने का जल प्रदूषण से क्या संबंध है ? *2*

(vi) पंच महाभूतों के प्रदूषित होने के लिए कौन उत्तरदायी हैं और क्यों ? *2*

(vii) समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पृथ्वी के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है ? *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(i) आभासी मित्रों से घिरा आज का युवा वर्ग

(ii) जब मैंने पहली बार स्कूटी/साइकिल चलाई

(iii) नई कक्षा में मेरा पहला दिन

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(i) टीवी के लिए खबर लिखने की बुनियादी शर्त क्या और क्यों है ? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) *1*

(ii) समाचार पत्र-पत्रिकाओं में 'संपादक के नाम पत्र' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

(iii) पत्रकारीय विशेषज्ञता से क्या अभिप्राय है ? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) 'जनसंचार के विभिन्न माध्यमों के बीच फ़र्क चाहे जितना भी हो, लेकिन वे आपस में प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी हैं।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(ii) समाचार लेखन और छह ककारों के बीच क्या संबंध है ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) खेल पत्रकार बनने के लिए आवश्यक योग्यताओं का उल्लेख कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) कविता लेखन के लिए भाषा-शैली का सम्यक ज्ञान होना क्यों ज़रूरी है ?

(ii) वे कौन-सी विशेषताएँ हैं जो नाटक को साहित्य की अन्य विधाओं से अलग करती हैं ?

(iii) कहानी लेखन में कल्पना के योगदान को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड ग
(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(i) और यह कैलेंडर से मालूम था
अमुक दिन अमुक बार मदनमहीने की होवेगी पंचमी
दफ़्तर में छुट्टी थी – यह था प्रमाण
और कविताएँ पढ़ते रहने से यह पता था
कि दहर-दहर दहकेंगे कहीं ढाक के जंगल
आम बौर आवेंगे
रंग-रस-गंध से लदे-फँदे दूर के विदेश के
वे नंदन-वन होवेंगे यशस्वी
मधुमस्त पिक भौंर आदि अपना-अपना कृतित्व
अभ्यास करके दिखावेंगे

अथवा

(ii) बहुत दिनान की अवधि आसपास परे,
खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान को।
कहि कहि आवन छबीले मनभावन को
गहि गहि राखति ही दै दै सनमान को ॥
झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै,
अब न घिरत घन आनंद निदान को।
अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान
चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान को ॥

8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'कार्नेलिया का गीत' के आधार पर प्रात:कालीन सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

(ii) 'इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !'
'सरोज स्मृति' कविता से उद्धृत प्रस्तुत पंक्तियों के संदर्भ में निराला जी की मन:स्थिति का वर्णन कीजिए।

(iii) विद्यापति रचित 'पद' के आधार पर लिखिए कि प्रेम का अनुभव वर्णनातीत क्यों है ?

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी। दूभर दुख सो जाइ किमि काढ़ी ॥
अब धनि देवस बिरह भा राती। जरै बिरह ज्यों दीपक बाती ॥
काँपा हिया जनावा सीऊ। तौ पै जाइ होइ सँग पीऊ ॥
घर घर चीर रचा सब काहूँ। मोर रूप रँग लै गा नाहू ॥
पलटि न बहुरा गा जो बिछोई। अबहूँ फिरै फिरै रँग सोई ॥
सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा। सुलगि सुलगि दगधै भै छारा ॥
यह दुख दगध न जानै कंतू। जोबन जनम करै भसमंतू ॥
पिय सौं कहेहु सँदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग।
सो धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग ॥

(i) रानी नागमती अपनी विरह वेदना का वर्णन किससे कर रही है ?

(A) अपनी सखियों से (B) भँवरे-काग से

(C) अपने अंतर्मन से (D) सेविकाओं से

(ii) अगहन मास में रानी नागमती के लिए विरह वेदना क्यों असहनीय हो उठी है ?

(A) दिन और रात के समय में अंतर होने के कारण

(B) राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति के कारण

(C) वातावरण में ठंडक बढ़ जाने के कारण

(D) सखी-सहेलियों के बनाव-शृंगार के कारण

(iii) विरह अग्नि में जलती हुई रानी नागमती की तुलना की गई है :

(A) धुएँ से काले हुए भँवरे से

(B) सियरि अगिनि से

(C) अगहन मास की रात्रि से

(D) दीपक की बाती से

(iv) उपर्युक्त काव्यांश में किस रस की प्रधानता है ?

(A) शृंगार रस (B) करुण रस

(C) वीभत्स रस (D) शांत रस

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : रानी नागमती को अगहन मास के दिन भी रात्रि के समान लंबे लगते हैं।

कारण : प्रिय के वियोग में नागमती के लिए एक-एक पल दूभर हो रहा है।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) कटिहार स्टेशन पहुँचने पर संवदिया ने पहले और वर्तमान की सुविधा में क्या अंतर महसूस किया ? पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) 'अपनी समस्त कोशिशों के बावजूद अंग्रेज़ी राज हिंदुस्तान को संपूर्ण रूप से अपनी 'सांस्कृतिक कॉलोनी' बनाने में असफल रहा।' – 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ से उद्धृत इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'गंगा मैया ही उसकी जीविका और जीवन है' – 'दूसरा देवदास' पाठ में यह कथन किस उद्देश्य से कहा गया ? स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

सभा 'वाह-वाह' करती सुन रही थी, पिता का हृदय उल्लास से भर रहा था। एक वृद्ध महाशय ने उसके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया और कहा कि जो तू इनाम माँगे वही दे। बालक कुछ सोचने लगा। पिता और अध्यापक इस चिंता में लगे कि देखें यह पढ़ाई का पुतला कौन-सी पुस्तक माँगता है। बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखों में दिख रही थी। कुछ खाँसकर, गला साफ़ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर, बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया। उसके बचने की आशा है क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था, मरे काठ की अलमारी की सिर दुखाने वाली खड़खड़ाहट नहीं।

(i) पिता का हृदय उल्लास से क्यों भर गया ?

(A) बालक द्वारा सभी प्रश्नों के उत्तर निर्भीकता से देने के कारण

(B) बालक द्वारा सभी प्रश्नों के उत्तर सही-सही देने के कारण

(C) बालक द्वारा वृद्ध महाशय का दिल जीत लिए जाने के कारण

(D) उपस्थित सभाजनों द्वारा पुत्र की वाह-वाही किए जाने के कारण

(ii) इनाम की बात सुनकर बालक सोच में क्यों पड़ गया ?

(A) इनाम की वस्तु के विषय में मन में असमंजसता थी।

(B) बालक को इनाम में क्या माँगना है, सिखाया नहीं गया था।

(C) बालक को इनाम के विषय में कुछ पता नहीं था।

(D) बालक वृद्ध महाशय से पूर्व परिचित नहीं था।

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : बालक के मुख पर एक के बाद एक रंग आते जा रहे थे।

कारण : बालक के अंतर्मन में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों के बीच द्वंद्व चल रहा था।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) कॉलम I को कॉलम II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए।

कॉलम I	*कॉलम II*
1. सूखी लकड़ी की खड़खड़ाहट	i. बालक का लड्डू माँगना
2. हरे पत्तों की मर्मर ध्वनि	ii. वैचारिक स्तर का अंतर्द्वंद्व
3. बालक के मुख पर रंगों का परिवर्तन	iii. शिक्षा को जबरन बच्चे पर थोपने की प्रवृत्ति

विकल्प :

(A) 1-ii, 2-iii, 3-i

(B) 1-i, 2-iii, 3-ii

(C) 1-iii, 2-i, 3-ii

(D) 1-ii, 2-i, 3-iii

(v) 'बालक बच गया' से आशय है :

(A) अध्यापकों और पिता के क्रोध से बालक का बच जाना

(B) शिक्षा के अनावश्यक बोझ से बालक का बालपन समाप्त न होना

(C) वृद्ध महाशय की समझदारी से बालक की बाल प्रवृत्तियों का शेष रहना

(D) वृद्ध महाशय के आशीर्वाद से बालक का और प्रश्नों के उत्तर देने से बचना

12. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी ***एक*** गद्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(i) ज़रा-सी आहट पाते ही वे एक साथ सिर उठाकर चौंकी हुई निगाहों से हमें देखती हैं – बिलकुल उन युवा हिरणियों की तरह, जिन्हें मैंने एक बार कान्हा के वन्यस्थल में देखा था। किंतु वे डरती नहीं, भागतीं नहीं, सिर्फ़ विस्मय से मुसकुराती हैं और फिर सिर झुकाकर अपने काम में डूब जाती हैं... यह समूचा दृश्य इतना साफ़ और सजीव है – अपनी स्वच्छ मांसलता में इतना संपूर्ण और शाश्वत – कि एक क्षण के लिए विश्वास नहीं होता कि आने वाले वर्षों में सब कुछ मटियामेट हो जाएगा।

अथवा

(ii) ये जो ठिंगने से लेकिन शानदार दरख्त गर्मी की भयंकर मार खा-खाकर और भूख-प्यास की निरंतर चोट सह-सहकर भी जी रहे हैं, इन्हें क्या कहूँ ? सिर्फ़ जी ही नहीं रहे हैं, हँस भी रहे हैं। बेहया हैं क्या ? या मस्तमौला हैं ? कभी-कभी वो लोग ऊपर से बेहया दिखते हैं, उनकी जड़ें काफ़ी गहरी, पैठी रहती हैं। ये भी पाषाण की छाती फाड़कर न जाने किस अतल गह्वर से अपना भोग्य खींच लाते हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) 'सूरदास की झोंपड़ी' कहानी में जीवन के सारे नकारात्मक मानवीय पहलुओं पर अकेले सूरदास का व्यक्तित्व भारी पड़ता है। पुष्टि कीजिए।

(ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर ग्रामीण जीवन की झाँकी प्रस्तुत कीजिए।

(iii) औद्योगिक विकास ने हमें अपनी जड़-जमीन से अलग कैसे कर दिया है ? 'अपना मालवा – खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर लिखिए।